

---

Rama Pratah Smarana

श्रीरामप्रातःस्मरणम् श्रीरामपञ्चकम्

Document Information

---

Text title : Shri Rama Pratah-smarana

File name : ramapratahsmarana.itx

Category : suprabhAra, raama, panchaka

Location : doc\_raama

Author : Traditional

Transliterated by : Sunder Hattangadi

Proofread by : Sunder Hattangadi

Description-comments : Ramakarnamritam verses 68-73 in chaturtha AshvAsaH

Latest update : Apr. 27, 2010

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 3, 2025

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामप्रातःस्मरणम् श्रीरामपञ्चकम्



प्रातः स्मरामि रघुनाथमुखारविन्दं  
मन्दस्मितं मधुरभाषि विशालभालम् ।  
कर्णावलम्बिचलकुण्डलशोभिगण्डं  
कर्णान्तदीर्घनयनं नयनाभिरामम् ॥ १ ॥

प्रातर्भजामि रघुनाथकरारविन्दं  
रक्षोगणाय भयदं वरदं निजेभ्यः ।  
यद्राजसंसदि विभज्य महेशचापं  
सीताकरग्रहणमङ्गलमाप सद्यः ॥ २ ॥

प्रातर्नमामि रघुनाथपदारविन्दं  
वज्राङ्कुशादिशुभरेखि सुखावहं मे ।  
योगीन्द्रमानसमधुव्रतसेव्यमानं  
शापापहं सपदि गौतमधर्मपत्न्याः ॥ ३ ॥

प्रातर्वदामि वचसा रघुनाथ नाम  
वाग्दोषहारि सकलं शमलं निहन्ति ।  
यत्पार्वती स्वपतिना सह भोक्तुकामा  
प्रीत्या सहस्रहरिनामसमं जजाप ॥ ४ ॥

प्रातः श्रये श्रुतिनुतां रघुनाथमूर्तिं  
नीलाम्बुजोत्पलसितेतररत्ननीलाम् ।  
आमुक्तमौक्तिकविशेषविभूषणाढ्यां  
ध्येयां समस्तमुनिभिर्जनमुक्तिहेतुम् ॥ ५ ॥

यः श्लोकपञ्चकमिदं प्रयतः पठेद्धि  
नित्यं प्रभातसमये पुरुषः प्रबुद्धः ।  
श्रीरामकिङ्करजनेषु स एव मुख्यो  
भूत्वा प्रयाति हरिलोकमनन्यलभ्यम् ॥

॥ इति श्रीरामकर्णामृतान्तर्गतम् श्रीरामप्रातःस्मरणम् ॥

Ramakarnamritam verses 68-73 in chaturtha AshvAsaH

This is also mistakenly attributed to Shrimad Vadiraja as Shriramapanchakam

Encoded and proofread by Sunder Hattangadi

---

*Rama Pratah Smarana*

pdf was typeset on March 3, 2025

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

